International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 13 Issue 5, September-October, 2025

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और आत्मनिर्भर भारत

सारिका, डॉ. शेख जुबेर अहमद

शोधार्थी, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, धारवाड़, कर्नाटक–580001
शोध निर्देशक, प्राचार्य, डी.बी.एच.पी.एस. प्रचारक महाविद्यालय (बी.एड.), हिंदी कॉलेज रोड, माचावरम विजयावाड़ा, आंध्र प्रदेश–520004

सारांश :

भारत के विकास और प्रगति में शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से वर्ष 2020 में भारत सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy – NEP 2020) लागू की, जो शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लेकर आई। इस नीति का उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना और विद्यार्थियों में ज्ञान, कौशल, सृजनात्मकता तथा नवाचार की भावना विकसित करना है। नई शिक्षा नीति 2020 में पारंपरिक 10+2 प्रणाली को बदलकर 5+3+3+4 ढांचा अपनाया गया है। इसमें मातृभाषा में शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षा, अनुसंधान, और बहुविषयी अध्ययन पर विशेष बल दिया गया है। यह नीति विद्यार्थियों को केवल नौकरी पाने योग्य नहीं, बल्कि नौकरी देने योग्य (Job Creator) बनने के लिए तैयार करती है। इसी वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया "आत्मनिर्भर भारत अभियान" देश को आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम था। आत्मनिर्भर भारत के पाँच स्तंभ — अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढाँचा, प्रणाली, जनसांख्यिकी और माँग — शिक्षा नीति के उद्देश्यों से सीधे जुड़े हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस अभियान का शैक्षणिक आधार बनती है, क्योंकि यह युवाओं को ऐसे कौशल और मूल्य सिखाती है

मुख्य शब्द : राष्ट्रीय शिक्षा नीति, आत्मनिर्भर, अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढाँचा, प्रणाली, जनसांख्यिकी

भूमिका :

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है। यह वह आधारशिला है जिस पर समाज, संस्कृति और अर्थव्यवस्था की पूरी इमारत खड़ी होती है। 21वीं सदी के इस ज्ञान–आधारित युग में शिक्षा का महत्व और भी बढ़ गया है। भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और युवा राष्ट्र है, अपने भविष्य की दिशा तय करने के लिए एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता महसूस कर रहा था जो उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सशक्त बना सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वह साधन है जिसके माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार किया जा सकता है। शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला होती है। भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि युवाओं को कौशलयुक्त, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना भी है। वर्ष 2020 में भारत सरकार द्वारा घोषित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) इसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह नीति देश को "आत्मनिर्भर भारत" (Aatmanirbhar Bharat) के विजन से जोड़ती है। इन दोनों ऐतिहासिक पहलों का गहरा संबंध है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का परिचय :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को 29 जुलाई 2020 को केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत किया गया। यह 34 वर्षों बाद लाई गई नई शिक्षा नीति है, जिसने 1986 की नीति को प्रतिस्थापित किया। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा को सर्वसमावेशी, बहुआयामी, और कौशल–आधारित बनाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 केवल शिक्षा सुधार की नीति नहीं है,

बल्कि यह "नए भारत के निर्माण" की दिशा में एक ठोस कदम है। यह नीति विद्यार्थियों को ज्ञानवान, कुशल और आत्मनिर्भर नागरिक बनाने का मार्ग प्रशस्त करती है।

"शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण है।"

मुख्य विशेषताएँ :

- 5+3+3+4 संरचना — प्रारंभिक बाल्यावस्था से लेकर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा को नई संरचना में विभाजित किया।
- मातृभाषा में शिक्षा — कक्षा 5 तक शिक्षा मातृभाषा या स्थानीय भाषा में देने पर बल।
- कौशल विकास (Skill Development) — व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में शामिल किया गया।
- बहुविषयक (Multidisciplinary) दृष्टिकोण — छात्रों को विषयों के चयन में स्वतंत्रता दी गई।
- प्रौद्योगिकी का प्रयोग — डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का समावेश।
- शोध और नवाचार — 'राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (NRF) की स्थापना।
- समान अवसर — ग्रामीण, शहरी, गरीब और वंचित वर्गों के लिए समान शिक्षा के अवसर।

आत्मनिर्भर भारत अभियान का परिचय :

"आत्मनिर्भर भारत अभियान" प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 12 मई 2020 को प्रारंभ किया गया था। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। इसका मूल मंत्र है — "लोकल के लिए वोकल बनो" अर्थात् देशी उत्पादों, उद्योगों और नवाचारों को प्रोत्साहन देना। भारत विश्व का एक तेजी से विकसित होता देश है। लेकिन कोरोना महामारी के दौरान जब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा, तब यह आवश्यकता महसूस हुई कि भारत अपनी आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक व्यवस्था में स्वावलंबन (Self&Reliance) की दिशा में आगे बढ़े।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के पाँच स्तंभ :

- अर्थव्यवस्था (Economy)
  एक ऐसी अर्थव्यवस्था का निर्माण, जो आत्मनिर्भर और नवाचार–प्रधान हो।
- आधारभूत ढाँचा (Infrastructure)
  आधुनिक और विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास।
- प्रणाली (System)
  पारदर्शी और तकनीक–आधारित शासन प्रणाली।
- जनसांख्यिकी (Demography)
  भारत की युवा जनसंख्या को सशक्त और उत्पादक बनाना।
- मांग (Demand)
  देश के भीतर उत्पादों और सेवाओं की मांग को बढ़ाकर स्थानीय उद्योगों को सशक्त बनाना।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और आत्मनिर्भर भारत का संबंध :

दोनों अभियानों का उद्देश्य भारतीय युवाओं को स्वावलंबी, सक्षम और सृजनशील बनाना है। शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल आधारित शिक्षा प्रदान की जा रही है, जिससे वे नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। उद्यमिता (Entrepreneurship), नवाचार (Innovation) और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है।उग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन लर्निंग से शिक्षा तक समान पहुँच संभव हो रही है। 'वोकल फॉर लोकल' की भावना शिक्षा के माध्यम से नए शोध और स्थानीय संसाधनों के उपयोग को प्रोत्साहित करती है। इस प्रकार, NEP 2020 आत्मनिर्भर भारत के लिए मानव संसाधन तैयार करने का माध्यम है।

(क) कौशल आधारित शिक्षा : आत्मनिर्भरता की जड़

एनईपी 2020 छात्रों में केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, बल्कि कौशल (Skill) और उद्यमिता (Entrepreneurship) विकसित करने पर बल देती है। जब युवा आत्मनिर्भर होंगे, तब ही राष्ट्र आत्मनिर्भर बन पाएगा।

(ख) नवाचार और अनुसंधान

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (NRF) जैसे संस्थानों का निर्माण देश को वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कदम है। इसी से आत्मनिर्भर भारत को वह वैज्ञानिक आधार मिलता है जिसकी उसे आवश्यकता है।

(ग) स्थानीय भाषा और संस्कृति का संरक्षण

एनईपी 2020 भारतीय भाषाओं, कला और संस्कृति को पुनर्जीवित करने की दिशा में कार्य करती है। यह "वोकल फॉर लोकल" के सिद्धांत को शिक्षा में लागू करती है।

(घ) डिजिटल और ऑनलाइन शिक्षा

आत्मनिर्भर भारत के लिए तकनीकी सशक्तिकरण आवश्यक है। एनईपी 2020 डिजिटल शिक्षा, ई–लर्निंग और तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को नई अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करती है।

(ङ) रोजगार से उद्यमिता की ओर

जहाँ पहले शिक्षा का लक्ष्य केवल "नौकरी प्राप्त करना" था, वहीं नई नीति का लक्ष्य "नौकरी देना" है।

इस प्रकार यह आत्मनिर्भर भारत की Start & up India और Stand & up India योजनाओं के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है।

प्रभाव और संभावनाएँ :

- युवाओं में रोजगार सृजन की क्षमता बढ़ेगी।
- भारतीय शिक्षा प्रणाली वैश्विक प्रतिस्पर्धा के स्तर तक पहुँचेगी।
- स्थानीय उद्योग, कृषि, और तकनीकी क्षेत्रों में नवाचार की संभावनाएँ बढ़ेंगी।
- भारत की "डेमोग्राफिक डिविडेंड" का पूर्ण उपयोग हो सकेगा।

चुनौतियाँ :

- ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता और संसाधनों की कमी।
- डिजिटल डिवाइड (Digital Divide) यानी तकनीकी पहुँच में असमानता।
- शिक्षकों का प्रशिक्षण और नई नीति के क्रियान्वयन में जटिलताएँ।

उपसंहार :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 केवल एक शैक्षणिक दस्तावेज नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की नींव है। जब भारत का प्रत्येक युवा कौशल, ज्ञान और नवाचार से परिपूर्ण होगा, तभी "नया भारत" साकार होगा।"शिक्षित भारत ही आत्मनिर्भर भारत का आधार है।"

संदर्भ :

- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार — https://www.education.gov.in
- आत्मनिर्भर भारत अभियान, नीति आयोग — https://www.niti.gov.in
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारत सरकार की आधिकारिक रिपोर्ट